हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, बुधवार 2 सितंबर 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 कांटों के ताज के बीच ना-ना करते आखिरकार...



07 अवैध शराब बिक्री के खिलाफ सहरिया...



खबर संक्षेप

विवेक साहू जिला मीडिया प्रभारी बने



गढाकोटा। पूर्व मंत्री एवं विधायक पं. गोपाल भार्गव की अनुशंसा पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष भरत चौरसिया ने विवेक साहू को पिछड़ा वर्ग मोर्चा का जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया। पार्टी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाने तथा सरकार पार्टी और योजनाओं के प्रचार प्रसार की बड़ी जिम्मेदारी निभाने में महत्वपूर्ण पद में मीडिया प्रभारी का होता है । एवं विवेक साहू 7 बार से नगर मंडल में मीडिया प्रभारी का दायित्व निभाते आ रहे हैं। एवं महाविद्यालय में जन भागीदारी समिति सदस्य भी रह चुके है। इनकी नियुक्ति पर सभी ने खुशी जाहिर की ।

जनसुनवाई में 160 आवेदकों की समस्याएं सुनीं

सागर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 160 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं। अधिकारियों ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को प्रकरणों का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अविनाश रावत, एसडीम रोहित वर्मा, नगर दंडाधिकारी शैलेंद्र द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर रजत सोनी एवं तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अग्निवीर सेना भर्ती रैली के संबंध में बैठक आज

सागर। जिले में अग्निवीर सेना भर्ती रैली के आयोजन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्राप्त पत्र के अनुसार इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर के मैदान पर 1 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2026 तक अग्निवीर सेना भर्ती रैली आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के अध्यक्षता में भर्ती रैली के आयोजन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में 2 सितंबर को प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जाएगी।



नगर निगम में आयोजित जनसुनवाई में समस्याओं का त्वरित निराकरण

सागर। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के निर्देशानुसार नगर निगम में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में नागरिकों की विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित कुल 10 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। प्राप्त आवेदनों में प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित 5 आवेदन, अतिक्रमण से संबंधित 2 आवेदन, विद्युत कनेक्शन से संबंधित 2 आवेदन तथा समग्र आईडी से संबंधित 1 आवेदन शामिल है। जनसुनवाई के दौरान 6 आवेदनों से संबंधित समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया, जबकि शेष 4 आवेदन प्रक्रिया में हैं। संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा लंबित प्रकरणों पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है, ताकि उनका भी नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। नगर निगम द्वारा जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनते हुए उनके त्वरित एवं समयबद्ध समाधान की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

दो दिन से लापता था 23 वर्षीय युवक, सुनार नदी में मिला शव

लापता युवक सामने था, फिर भी पिता-पत्नी नहीं पहचान पाए, हाथ के टैटू ने खोला राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर/गढ़ाकोटा

कभी-कभी किसी अपने की पहचान चेहरा नहीं, कोई छोटी-सी निशानी बन जाती है। गढ़ाकोटा में ऐसा ही एक मार्मिक मामला सामने आया, जहां दो दिन से लापता 23 वर्षीय युवक का शव उसके पिता और पत्नी की आंखों के सामने था, लेकिन दोनों उसे पहचान नहीं सके। चेहरा इतना बदल चुका था कि अपने ही उसे अपना मानने को तैयार नहीं थे। करीब पांच घंटे तक एक मां का बेटा और एक पत्नी का पति उनके सामने होकर भी अजनबी बना रहा। आखिरकार हाथ पर बने दो टैटू ने उस खामोश शव की पहचान बता दी। मामला गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के मगरधा गांव के पास सुनार नदी का है। सोमवार सुबह करीब 9.30 बजे पुलिस को नदी में एक युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर जांच शुरू की।

पुलिस को पड़ताल के दौरान दो दिन पहले दर्ज हुई एक युवक की गुमशुदगी की जानकारी मिली। आशंका के आधार पर लापता युवक के पिता और पत्नी को थाने बुलाया गया। सुबह करीब 11.30 बजे दोनों ने शव देखा, लेकिन चेहरा देखकर उसकी पहचान नहीं कर सके। उन्होंने शव को अपना अशोक मानने से इनकार कर दिया।

एक ओर नदी से मिला अज्ञात शव था, दूसरी ओर दो दिन से लापता युवक की तलाश। पुलिस भी असमंजस में थी कि आखिर नदी में मिला शव किसका है। समय बीतता गया, लेकिन पहचान की गुत्थी नहीं सुलझी। करीब पांच घंटे तक



एक परिवार अपने ही बेटे और पति की तलाश में था, जबकि उसका शव पुलिस के सामने रखा था। चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था और कोई ऐसी निशानी भी सामने नहीं थी, जिससे पक्की पहचान हो सके।

शाम करीब 4.30 बजे मृतक की मां और उसके दोस्तों को शव दिखाया गया। तभी दोस्तों की नजर उसके हाथ पर पड़ी। हाथ पर बना बिच्छू का टैटू दिखाई दिया। दूसरे हाथ पर आरी का निशान बना हुआ था।

दोनों टैटू देखते ही दोस्तों ने कहा यह अशोक ही है।

दोस्तों ने पुलिस को बताया कि ये दोनों टैटू उन्होंने अशोक के साथ मिलकर बनवाए थे। जिन टैटू को दोस्तों के साथ बैठकर कभी शौक में बनवाया गया था, वही कुछ समय बाद अशोक की जिंदगी की आखिरी और सबसे पक्की पहचान बन गए।

चेहरे ने साथ छोड़ा तो टैटू ने बता दिया - 'ये अशोक है'

मृतक की पहचान अशोक उर्फ अस्सु पुत्र हरिराम पटेल (23), निवासी तिलक वार्ड, गढ़ाकोटा के रूप में हुई। अशोक मजदूरी करता था और पिछले दो दिनों से लापता था। जिस युवक को उसके पिता और पत्नी आंखों के सामने होकर भी पहचान नहीं पाए, उसकी पहचान आखिरकार चेहरे से नहीं, बल्कि हाथ पर बने उन दो टैटू से हुई, जिन्हें उसने कभी दोस्तों के साथ शौक से बनवाया था।

शायद अशोक ने भी कभी नहीं सोचा होगा कि उसके हाथ पर बने ये छोटे-से निशान एक दिन उसके अपनों को उसकी पहचान बताएंगे। लेकिन नियति का खेल देखिए—चेहरा खामोश था, शरीर अजनबी लग रहा था, मगर हाथ पर बने वे निशान जैसे कह रहे थे- 'मैं अशोक हूं।'

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। अब पुलिस युवक की मौत के कारणों और परिस्थितियों की जांच कर रही है।



निगमायुक्त ने कार्य में लापरवाही बरतने पर दो कर्मचारियों को किया निलंबित

सागर। नगर निगम आयुक्त ने कार्यों में लापरवाही एवं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। निगमायुक्त खत्री ने उद्यान विभाग के कार्यों में बार-बार दिए गए निर्देशों की अवहेलना कर लापरवाही बरतने पर कर्मचारी स्वदेश सराफ तथा डेयरी विस्थापन परियोजना एवं आवारा जानवरों को पकड़ने से संबंधित कार्यों में लापरवाही बरतने पर कर्मचारी अशरफ बेग को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि नगर निगम के प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का दायित्व है कि वह अपने निर्धारित कार्यों का पूरी जिम्मेदारी, समयबद्धता और गंभीरता के साथ निर्वहन करे। जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा निर्देशों की अनदेखी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के विकास, स्वच्छता, उद्यानों के रखरखाव, डेयरी विस्थापन, आवारा पशुओं को पकड़ने सहित विभिन्न जनहितकारी कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। ऐसे में संबंधिछ कर्मचारियों द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता बरतने से कार्य प्रभावित होता है और नागरिकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है।निगमायुक्त ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं समयबद्धता के साथ पालन करें तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा शासकीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।



परिचितों को अतिथि शिक्षक बनाने का आरोप, संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ खुरई

विद्यालयों में अतिथि शिक्षक भर्ती में मनमानी रोकने के लिए आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ ने एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख है कि शासकीय विद्यालयों में अतिथि शिक्षक के कई पद रिक्त हैं, परंतु संबंधित प्रभारी/प्राचार्य द्वारा कहा जा रहा है कि कोई पद रिक्त नहीं है। जबकि वास्तविकता में पद रिक्त होने के बावजूद पात्र अतिथि शिक्षकों की भर्ती नहीं की जा रही है। आरोप है कि कुछ प्रभारी नियमों को दरकिनार कर अपने परिचितों और रिश्तेदारों को अतिथि शिक्षक के रूप में नियुक्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

संघ ने बताया कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों की भी अवहेलना की जा रही है तथा भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है।

संघ ने मांग की है कि जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों में रिक्त अतिथि शिक्षक पदों की सूची सार्वजनिक की जाए, भर्ती डीपीआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्णतः पारदर्शी एवं मेरिट के आधार पर की जाए और मनमाने ढंग से नियुक्ति का प्रयास करने वाले प्रभारी/प्राचार्यों की जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

रामलला की प्रतिमा लेकर बीना से अयोध्या तक कांग्रेस की यात्रा

कांग्रेसी झंडा और भगवा ध्वज के साथ गूंजे जय श्री राम के नारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ खुरई

कांग्रेस नेता एवं जनपद सदस्य पी पी नायक के नेतृत्व में रामलला की प्रतिमा लेकर बीना से अयोध्या तक यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कांग्रेसी झंडा और भगवा ध्वज लिए चल रहे थे। डीजे, बाजे, ढोल-नगाड़ों के साथ जय श्री राम के घोष से मार्ग गूंजायमान रहा।

यात्रा जब खुरई पहुंची तो कांग्रेस (शहर) ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट शाकिर खान के नेतृत्व में राजीव चौक पर कार्यकर्ताओं ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। वहीं परसा तिगड़ा के पास कांग्रेस नेता अंशुल परिहार द्वारा स्वागत किया गया।

पीपी नायक ने कहा कि अयोध्या में हुई चंदा चोरी सार्वजनिक रूप से उजागर होना चाहिए। सभी मंदिरों को आरटीआई के दायरे में लाया



जाना चाहिए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इस पूरे मामले पर प्रधानमंत्री कुछ बोलते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने ही मंदिर के ताले खुलवाए थे और मंदिर निर्माण में कांग्रेस का बड़ा योगदान रहा है, किन्तु भाजपा कांग्रेस को मंदिर विरोधी बताती है। यह यात्रा चंदा चोरी, भ्रष्टाचार और महंगाई के खिलाफ है।

इस दौरान खुरई (शहर) ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट शाकिर खान, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष हरविंदर चावला, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, आशु भाईजान, सेवादल अध्यक्ष नवल सेन, एड. चंद्रशेखर मेशन, कांग्रेस नेता अंशुल परिहार, घनश्याम साहू, रामचरण अहिरवार, लक्ष्मीकान्त ताम्रकार, बादल सिंह ठाकुर, शशिकान्त शर्मा, रम्मू नायक, युवा कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष अमित लोधी, जितेन्द्र राजपूत सिंगपुर, प्रतिपाल राजपूत बलऊ, फूलसिंह सेन, विजय सोलंकी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष राजरानी अहिरवार, कपिल जैन, बल्लू अहिरवार, ओरण अहिरवार, इमरान खान, साकिर राईन, गणेश राज सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

मेहलुआ-बीना-खिमलासा-मालथौन तक फोरलेन कनेक्टिविटी कार्य को कैबिनेट की स्वीकृति

सागर। मध्यप्रदेश केबिनेट की बैठक में मेहलुआ-बीना-खिमलासा-मालथौन की 71.8 किमी फोरलेन सड़क निर्माण के लिए 3272 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति का निर्णय पर पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने क्षेत्र की जनता को बधाई दी है तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त किया है। पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा है कि इस निर्णय से राहतगढ़-खुरई-खिमलासा-मालथौन तक की लाभकारी फोरलेन कनेक्टिविटी संभव हो सकेगी तथा बीना रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल्स कांप्लेक्स का पूरा औद्योगिक तथा वाणिज्यिक लाभ खुरई विधानसभा क्षेत्र के मालथौन विकासखण्ड के लिए हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि गत 26 अगस्त को ही मप्र केबिनेट की बैठक में राहतगढ़ -खुरई-खिमलासा मार्ग के आधुनिकीकरण कार्य की स्वीकृति का निर्णय लिया गया था। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के मांगपत्र पर दस जनवरी,2026 को खुरई आम सभा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस सड़क निर्माण कार्य की घोषणा की थी। इस मार्ग के बनने से ललितपुर यूपी की शार्टकट कनेक्टिविटी वाया मालथौन स्वर्णिम चतुर्भुज राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 44 से भोपाल बीना स्टेट हाइवे मेहलुआ चौराहे तक तथा राहतगढ़ के रास्ते भोपाल, विदिशा के लिए उपलब्ध हो जाएगी। इन नये बने ट्रेड रूटों से खुरई विधानसभा क्षेत्र की जनता को उद्योग,व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन जैसी अनेक लाभ और सुविधाएं उपलब्ध होंगी। फिलहाल ये रोड टू-लेन है और इस पर काफी यातायात दबाव है। यूपी के ललितपुर तरफ के लोग और सागर, बीना, विदिशा के लोग इस सड़क का बड़े पैमाने पर प्रयोग करते हैं। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को 10 जनवरी को सौंपे गए मांगपत्र में लिखा था कि राहतगढ़ से खुरई -खिमलासा-मालथौन मार्ग जो कि एमपीआरडीसी के द्वारा पूर्व में बनाया गया था, वह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है इसको एमपीआरडीसी के माध्यम से फोरलेन मार्ग स्वीकृत किया जाए।

सामाजिक समरसता से ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव : अविराज सिंह

650 वीं जयंती पर समरसता संकल्प अभियान के तहत बांदरी में कलश वंदन यात्रा में शामिल हुए युवा नेता अविराज सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर



संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित ''समरसता संकल्प अभियान'' के तहत बांदरी में खुरई विधानसभा क्षेत्र की कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ हुआ। आयोजित कलश वंदन यात्रा में सहभागिता करते हुए युवा नेता अविराज सिंह ने कहा कि संत रविदास जी ने अपने जीवन, विचारों और आध्यात्मिक वचनों के माध्यम से समाज को समता, भाईचारे, सद्भाव और मानवता का मार्ग दिखाया। उन्होंने समाज में व्याप्त जात-पात, छुआछूत, ऊंच-नीच और भेदभाव जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर यह संदेश दिया कि मनुष्य की महानता उसके जन्म या जाति से नहीं, बल्कि उसके श्रेष्ठ विचारों, सदाचार, कर्म और मानव कल्याण की भावना से निर्धारित होती है। संत रविदास जी की 650 वीं जयंती केवल एक महान संत के स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि उनके समतामूलक विचारों को अपने जीवन में उतारने और सामाजिक समरसता के संकल्प को मजबूत करने का अवसर है।

अविराज सिंह ने कहा कि सतगुरु रविदास जी भारत के उन महान संतों में शामिल हैं, जिन्होंने आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ सामाजिक जागरण का भी कार्य किया। उनकी वाणी में आत्मज्ञान के साथ एकता, भाईचारे और समानता का संदेश मिलता है। उन्होंने जीवनभर समाज में फैली कुरीतियों के अंत के लिए कार्य किया और लोगों को यह समझाया कि ईश्वर की दृष्टि में सभी मनुष्य समान हैं। संत रविदास जी का दर्शन व्यक्ति को भीतर से निर्मल होने, दूसरों के प्रति करुणा रखने, अहंकार और भेदभाव से दूर रहने तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति के हित के बारे में सोचने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि सदियों बाद भी संत रविदास जी के विचार समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं और उनकी वाणी आज भी करोड़ों लोगों को मानवता, समानता और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

उन्होंने कहा कि संत रविदास जी का यह विचार कि मनुष्य को ज्ञान के माध्यम से चिंतन और मनन करने की क्षमता प्राप्त होती है, उनके व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है। उनका मानना था कि केवल बाहरी आडंबर से नहीं, बल्कि मन की शुद्धता और अच्छे कर्मों से ही मानव जीवन सार्थक बनता है। उन्होंने भक्ति, राम नाम और सदाचार को जीवन का आधार बताते हुए समाज को आंतरिक शुद्धता का संदेश दिया। उनका स्पष्ट मत था कि जन्म और व्यवसाय के आधार पर कोई व्यक्ति महान नहीं होता, बल्कि श्रेष्ठ विचार, समान हित की भावना, सदाचार और परोपकार जैसे गुण ही मनुष्य को महानता की ओर ले जाते हैं। उन्होंने अपने जीवन से इन विचारों को व्यवहार में उतारकर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया।

अविराज सिंह ने कहा कि संत रविदास जी को सरल शब्दों में ''समता का प्रतीक'' कहा जा सकता है। यह भारत के लिए गौरव की बात है कि उनकी जयंती देश की सीमाओं से बाहर भी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाती है। संत रविदास जी की लोकप्रियता किसी एक समाज या वर्ग तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनके विचारों ने हर वर्ग के लोगों को प्रभावित किया। उनके समतामूलक दर्शन ने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों में आत्मसम्मान और अधिकार की चेतना पैदा की। उनके विचारों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि वे मनुष्य को मनुष्य के रूप में देखने की प्रेरणा देते हैं और समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे के सम्मान और सहयोग की भावना से आगे बढ़ने का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी से जुड़ा पारस पत्थर का प्रसंग भी उनके वैराग्य और संतोष की भावना को स्पष्ट करता है। कहा जाता है कि एक महात्मा ने उन्हें पारस पत्थर दिया और उसके उपयोग के बारे में बताया, लेकिन संत रविदास जी ने पहले उसे स्वीकार करने से ही इनकार कर दिया। बार-बार आग्रह करने पर उन्होंने उसे ले लिया और अपने छप्पर में रख देने के लिए कहा।



पालिका का विशेष अभियान, मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए दवाओं का छिड़काव

खुरई। जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल के विशेष दिशा-निर्देशों के पालन में बारिश के बाद मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए नगर पालिका खुरई द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश मेहतेले के मार्गदर्शन में नगर के विभिन्न वार्डों में कीटनाशक, रोग प्रतिरोधक एवं खरपतवार नाशक दवाओं का व्यापक छिड़काव कराया जा रहा है। जलभराव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां प्राथमिकता से छिड़काव किया जा रहा है, ताकि मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके। स्वास्थ्य शाखा प्रभारी उपयंत्री शिवा मेहरा एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक नीतेश श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर छिड़काव कार्य का निरीक्षण किया और सुपरवाइजरों को नियमित भ्रमण कर जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित करने के निर्देश दिए। सहायक यंत्री अविनाश रावत ने अधिकारियों को अभियान की निरंतर प्रगति बनाए रखने और समयबद्ध छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर, गमले, टंकियों में जमा पानी को साफ करें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

तिरुपति नगर स्थित पार्क को अतिक्रमण मुक्त कराकर कराया गया वृक्षारोपण

सागर। नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित बनाने के उद्देश्य से सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कराने के साथ-साथ वहां हरियाली विकसित करने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम के अतिक्रमण अमले द्वारा तिरुपति नगर स्थित पार्क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।अतिक्रमण हटाने के उपरांत पार्क परिसर में वृक्षारोपण कराया गया, जिससे क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा देने के साथ नागरिकों के लिए पार्क को व्यवस्थित एवं उपयोगी बनाया जा सके। नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर उनका बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्रवाई की जा रही है।

नए सीएमएचओ के सामने दोहरी चुनौती, व्यवस्थाओं में सुधार के साथ विभाग पर लगे दाग को धोने की भी परीक्षा

कांटों के ताज के बीच ना-ना करते आखिरकार डॉ. चौधरी ने संभाल ही ली जिले की कमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

लंबे इंतजार, उठापटक और प्रशासनिक कवायद के बाद आखिरकार जिले को नया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ मिल ही गया। ना - ना करते हुये अब डॉ. अमित चौधरी ने मंगलवार को टीकमगढ़ सीएमएचओ का पदभार ग्रहण कर ही लिया। उनके पद संभालते ही स्वास्थ्य विभाग में नए नेतृत्व की शुरुआत हो गई है, लेकिन इसके साथ ही शहर में एक बड़ा सवाल भी चर्चा का विषय बन गया है कि क्या नए सीएमएचओ विभाग में व्याप्त कमियों और अनियमितताओं पर सख्ती से लगाम लगा पाएंगे या फिर पूर्व की व्यवस्थाओं की तरह ही सब कुछ चलता रहेगा? डॉ. अमित चौधरी की स्वच्छ छवि को देखते हुए जिले के लोगों को उनसे काफी उम्मीदें हैं। लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उठते रहे सवालों के बीच माना जा रहा है कि नए सीएमएचओ के सामने सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाओं को बेहतर करने, स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन के प्रति जवाबदेह बनाने और विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने की अग्निपरीक्षा है। उनके पदभार ग्रहण करते ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने शुभकामनाएं दीं, लेकिन इन शुभकामनाओं के बीच विभाग के सामने खड़ी पुरानी चुनौतियां भी कम नहीं हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर समय-समय पर सामने आए विवादों, स्थानांतरण और अटैचमेंट से जुड़े सवालों, कथित भ्रष्टाचार के आरोपों तथा सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाओं में कमियों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में नए सीएमएचओ के लिए केवल पदभार संभालना ही चुनौती नहीं, बल्कि विभाग की बिगड़ी छवि को सुधारना भी बड़ी परीक्षा होगी।



लोकायुक्त कार्रवाई ने बढ़ाई थी विभागीय कार्यप्रणाली पर चर्चा

स्वास्थ्य विभाग पर लगे ताजा दागों में 31 जुलाई को सीएमएचओ कार्यालय में हुई लोकायुक्त कार्रवाई का मामला प्रमुख है। लोकायुक्त पुलिस सागर ने कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग के एमपीडब्ल्यू कर्मचारी देशराज घोष को कथित तौर पर 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। इसी कार्रवाई के दौरान एक अन्य शिकायतकर्ता नरेंद्र राजपूत के आरोप भी सामने आए। उन्होंने कथित तौर पर स्वास्थ्य विभाग में सहायिका की नौकरी लगवाने के नाम पर देशराज घोष द्वारा उनसे पहले ही पांच लाख रुपए लिए जाने की शिकायत की थी। इन मामलों के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और कर्मचारियों की भूमिका को लेकर सवाल खड़े हुए।

नौकरी के नाम पर लाखों की कथित उगाही के आरोप भी चर्चा में

स्वास्थ्य विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर कथित तौर पर लाखों रुपए की उगाही किए जाने के आरोप भी पूर्व में सामने आ चुके हैं। विभागीय कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर ऐसे गंभीर आरोप लगाए थे कि एमपीडब्ल्यू देशराज घोष द्वारा नौकरी दिलाने के नाम पर बड़ी रकम वसूल की गई। कर्मचारियों के दावों में यह रकम करीब 70 लाख रुपए से अधिक तक बताए जाने की बात सामने आई थी। यही मामला अब नए सीएमएचओ के लिए भी महत्वपूर्ण चुनौती बन सकता है कि विभाग में कर्मचारियों की वास्तविक जिम्मेदारियां क्या हैं और कौन कर्मचारी किस स्थान पर किस आदेश के तहत कार्य कर रहा है।

अटैचमेंट और मल्टीपर्पज कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल

स्वास्थ्य विभाग में कर्मचारियों की पदस्थापना और अटैचमेंट को लेकर भी लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। कर्मचारियों के अनुसार देशराज घोष की मूल पदस्थापना बड़ागांव स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र में बताई गई, जबकि उन्हें अटैचमेंट के जरिए सीएमएचओ कार्यालय में कार्य करने का अवसर मिला। कर्मचारियों ने इस व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए थे। अब नए सीएमएचओ के सामने यह भी चुनौती होगी कि विभाग में किस कर्मचारी की मूल पदस्थापना कहां है, कौन कहां अटैच है और किसे कौन सी जिम्मेदारी दी गई है। इन तमाम बिंदुओं की समीक्षा कर व्यवस्था को स्पष्ट और पारदर्शी बनाया जाए।

फर्जी मंत्री पत्र ने भी खोली थी व्यवस्था की पोल

स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा एक अन्य मामला एमपीडब्ल्यू कर्मचारी केएल वंशकार के स्थानांतरण से संबंधित रहा। गोर स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ वंशकार का 7 जुलाई को दरगुवां स्वास्थ्य केंद्र स्थानांतरण किया गया था। स्थानांतरण निरस्त कराने के लिए कथित तौर पर प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर के नाम से एक फर्जी अनुशंसा पत्र तैयार कर स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से सीएमएचओ कार्यालय में प्रस्तुत किया गया। मामला कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के सामने पहुंचने पर पत्र की सत्यता को लेकर संदेह उत्पन्न हुआ। इसके बाद जांच कराई गई, जिसमें पत्र अधिकृत रूप से जारी नहीं होना सामने आया। इस प्रकरण ने भी स्वास्थ्य विभाग में दस्तावेजों की सत्यता की जांच और कार्यालयीन प्रक्रिया की निगरानी को लेकर सवाल खड़े किए।

जिला अस्पताल से सोनोग्राफी-सीटी स्कैन तक बड़ी चुनौतियां

नए सीएमएचओ के सामने सिर्फ विभागीय विवादों को संभालने की चुनौती नहीं है। जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, चिकित्सकों और कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, दवाओं एवं जांच सुविधाओं की व्यवस्था मजबूत करना तथा मरीजों के साथ बेहतर व्यवहार सुनिश्चित करना भी उनकी प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल होगा। इसके अलावा शहर में संचालित सोनोग्राफी और सीटी स्कैन केंद्रों की कार्यप्रणाली को लेकर समय-समय पर उठने वाले सवालों पर भी स्वास्थ्य विभाग को प्रभावी निगरानी करनी होगी। मरीजों से जुड़ी जांच सेवाओं में पारदर्शिता, निर्धारित शुल्क, रिपोर्टिंग प्रक्रिया और नियमों के पालन की निगरानी आमजन के हित में बेहद महत्वपूर्ण है।

नई कमान कितना बदलती है तस्वीर

कुल मिलाकर डॉ. अमित चौधरी के सामने चुनौती केवल स्वास्थ्य विभाग की प्रशासनिक कमान संभालने की नहीं, बल्कि विभाग की कार्यप्रणाली में भरोसा कायम करने की भी है। एक ओर सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं को मजबूत करने की जरूरत है, तो दूसरी ओर विभाग से जुड़े भ्रष्टाचार, अनियमितताओं, अटैचमेंट, स्थानांतरण और कथित वसूली जैसे मामलों को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान भी जरूरी है। शहर की जनता अब उम्मीद लगाए बैठी है कि नए सीएमएचओ पुरानी शिकायतों और विवादों की निष्पक्ष समीक्षा कर विभाग में जवाबदेही तय करेंगे। कर्मचारियों की पदस्थापना से लेकर कार्यालयीन कामकाज और अस्पतालों की व्यवस्थाओं तक यदि पारदर्शिता और अनुशासन दिखाई देता है, तो निश्चित रूप से स्वास्थ्य विभाग की छवि बदल सकती है। डॉ. अमित चौधरी के लिए यह पदभार किसी सामान्य प्रशासनिक जिम्मेदारी से कम नहीं, बल्कि एक ऐसी परीक्षा है जिसमें उन्हें एक साथ मरीजों की उम्मीदों और विभाग की पुरानी कार्यप्रणाली, इन दोनों का सामना करना होगा।

सेफ्टी फर्स्ट पर बिजली विभाग का जोर, कर्मचारियों को दिए सुरक्षा के मंत्र



टीकमगढ़। विद्युत लाइनों और उपकरणों पर काम के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने तथा मैदानी कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को विद्युत विभाग द्वारा विशेष सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में लाइन स्टाफ एवं सब-स्टेशन ऑपरेटरों को विद्युत कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और निर्धारित सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली के काम में थोड़ी सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है, इसलिए काम की जल्दबाजी से पहले कर्मचारी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यपालन अभियंता सुधीर सोनी ने कर्मचारियों को विद्युत लाइन पर कार्य शुरू करने से पहले अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लाइन की स्थिति, विद्युत आपूर्ति और कार्यस्थल की परिस्थितियों को पूरी तरह सुरक्षित सुनिश्चित करने के बाद ही कर्मचारी काम शुरू करें। फील्ड में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी अथवा सुरक्षा नियमों की अनदेखी न करने की हिदायत दी गई। कार्यशाला में कर्मचारियों को सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, इंसुलेटेड ग्लव्स, सेफ्टी शूज सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा उपकरण केवल औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में कर्मचारी के जीवन की रक्षा करने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इसलिए प्रत्येक कर्मचारी के लिए निर्धारित सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना अनिवार्य कार्यप्रणाली का हिस्सा होना चाहिए। कार्यपालन अभियंता सुधीर सोनी ने कहा कि विद्युत क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों की जिम्मेदारी बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण उनकी सुरक्षा भी है। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि किसी भी परिस्थिति में काम पूरा करने की जल्दबाजी में सुरक्षा नियमों से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। कर्मचारी सुरक्षित तरीके से काम करें और सुरक्षित अपने घर लौटें, यही विभाग की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने मैदानी अमले को स्वयं की सुरक्षा के साथ अपने साथ काम कर रहे अन्य कर्मचारियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखने की बात कही। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन केवल प्रशिक्षण या कार्यशाला तक सीमित न रहे, बल्कि इसे रोजमर्रा की कार्यप्रणाली का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। कार्यशाला के दौरान विद्युत उपभोक्ताओं से भी सहयोग की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि विद्युत व्यवधान अथवा शिकायत के दौरान जब कर्मचारी मौके पर सुधार कार्य कर रहे हों, तब उपभोक्ता उन पर जल्द बिजली चालू करने अथवा काम शीघ्र पूरा करने का अनावश्यक दबाव न बनाएं। अधिकारियों ने बताया कि विद्युत लाइन पर सुधार कार्य तकनीकी और जोखिमपूर्ण होता है। सप्लाई बंद करने से लेकर लाइन की जांच, कार्यस्थल को सुरक्षित बनाने और अन्य निर्धारित प्रक्रियाओं को पूरा करने में आवश्यक समय लगता है। ऐसे में कुछ मिनट की जल्दबाजी किसी कर्मचारी के जीवन को खतरे में डाल सकती है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल होने की अपेक्षा रखते हैं, लेकिन कर्मचारियों की सुरक्षा से समझौता करके बिजली आपूर्ति शुरू करना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। इसलिए उपभोक्ता धैर्य रखें और फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों को सुरक्षा नियमों के अनुसार काम पूरा करने के लिए पर्याप्त समय एवं सहयोग प्रदान करें। कार्यशाला में सहायक अभियंता शहर नितिन बॉथम एवं सहायक अभियंता उपसंभाग टीकमगढ़ विशाल तोमर सहित विद्युत विभाग के अधिकारी, लाइन कर्मचारी एवं सब-स्टेशन ऑपरेटर मौजूद रहे। अधिकारियों ने कर्मचारियों को सुरक्षा नियमों का नियमित पालन करने और किसी भी जोखिमपूर्ण स्थिति में बिना पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के कार्य नहीं करने की हिदायत दी।

विद्युत लाइनों पर काम के दौरान लापरवाही से बचने की हिदायत, हेलमेट-सेफ्टी बेल्ट इस्तेमाल पर दिया जोर

महंगाई के खिलाफ जतारा में कांग्रेस का हल्लाबोल सड़कों पर कार्यकर्ता



रैली निकालकर भाजपा सरकार के खिलाफ की नारेबाजी, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

टीकमगढ़। बढ़ती महंगाई और आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर मंगलवार को जतारा नगर में कांग्रेस ने विधानसभा स्तरीय हल्लाबोल प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकालते हुए महंगाई के मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज कराया और अंत में एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन की शुरुआत स्टेट बैंक, घटिया मोहल्ला से हुई। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह घोष की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ रचनात्मक एवं व्यंग्यात्मक तरीके से विरोध जताया। हाथों में तख्तियां और नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने सरकार से आम जनता को महंगाई से राहत देने की मांग की। प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस महासचिव किरण अहिरवार विशेष रूप से मौजूद रहीं। कांग्रेस नेताओं ने शक्कर, पेट्रोल, बिजली के बिल और घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। नेताओं का कहना था कि रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं के लगातार बढ़ते दामों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। महंगाई के कारण मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने घर का खर्च चलाना चुनौती बनता जा रहा है।

शक्कर, पेट्रोल, बिजली और गैस के दामों को लेकर जताया विरोध

महंगाई पर सरकार को घेरा

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकार को आम जनता की परेशानियों को गंभीरता से लेते हुए महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के कदम उठाने चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए सरकार से खाद्य पदार्थों, पेट्रोलियम उत्पादों, बिजली और रसोई गैस की कीमतों में राहत देने की मांग की। पैदल मार्च के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न जनसमस्याओं और महंगाई से जुड़े मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह प्रदर्शन केवल राजनीतिक विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि महंगाई से परेशान आम जनता की आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी लगातार संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और आम लोगों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन साहू, संजय नायक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समयसीमा में निराकरण ही असल जनसुनवाई: एसपी

एसपी कार्यालय सहित जिले के पुलिस थानों में सुनी गईं जन शिकायतें, किए गए निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

समयसीमा में संतोषजनक निराकरण करके जनता के न्याय को सार्थक करना ही जन सुनवाई की मूलभावना है। जिसे हमें पूर्ण करना है। जिला पुलिस को उक्त निर्देश देते हुये पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने एसपी कार्यालय में जनता की समस्याओ को सुना और उनका निराकरण किया। पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, संवाद एवं सहयोग को और मजबूत करने के उद्देश्य से टीकमगढ़ पुलिस द्वारा प्रत्येक मंगलवार नियमित जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल के निर्देशन में संचालित यह पहल नागरिकों को अपनी समस्याएं एवं शिकायतें सीधे पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाने का सहज और प्रभावी माध्यम बन रही है।

इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित जिले के सभी थाना एवं चौकी स्तर पर जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं पुलिस संबंधी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष परीक्षण करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा प्रकरणों का समय-सीमा में संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत लेकर पुलिस के पास आने वाला प्रत्येक व्यक्ति सम्मान और संवेदनशील व्यवहार का हकदार है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शिकायतकर्ताओं की बात पूरी गंभीरता से सुनी जाए और उपलब्ध तथ्यों एवं कानून के अनुरूप उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनसुनवाई के दौरान महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं अन्य जरूरतमंद नागरिकों से संबंधित



मामलों को विशेष संवेदनशीलता के साथ सुना गया। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ऐसे प्रकरणों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए तथा उनकी समस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो।

टीकमगढ़ पुलिस द्वारा जनसुनवाई की व्यवस्था को पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक सीमित न रखते हुए थाना एवं चौकी स्तर तक प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नागरिकों को अपनी समस्या के लिए जिला मुख्यालय तक आने की आवश्यकता को कम करना तथा उन्हें स्थानीय स्तर पर ही पुलिस अधिकारियों से संवाद एवं सहायता प्राप्त करने का अवसर देना है। इस व्यवस्था से आमजन के लिए पुलिस तक पहुंच अधिक सहज और सुलभ बनाने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर शिकायतों की सुनवाई एवं उनके निराकरण की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। नियमित जनसुनवाई पुलिस और जनता के बीच सीधे संवाद एवं विश्वास का सेतु बन रही है। नागरिक अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव बिना संकोच पुलिस अधिकारियों के समक्ष रख रहे हैं। वहीं पुलिस द्वारा प्रत्येक प्रकरण की गंभीरता से समीक्षा कर कानून एवं नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। टीकमगढ़ पुलिस का निरंतर प्रयास है कि हर नागरिक को पुलिस सेवा सरल, सुलभ, संवेदनशील, निष्पक्ष एवं जवाबदेह रूप में उपलब्ध हो। जनसुनवाई की यह पहल इसी सोच को धरातल पर मजबूत करने का माध्यम है, जिसके जरिए पुलिस और आमजन के बीच संवाद को निरंतर बढ़ावा देते हुए विश्वास, सहयोग और सुरक्षा की भावना को और सुदृढ़ किया जा रहा है।

दो माह बाद पहली बार लौटीं आस्था, जगह-जगह हुआ फूल-मालाओं से अभिनंदन

बिहार में एसडीएम बनीं पलेरा की बेटी आस्था का गृह नगर में स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ पलेरा

नगर की बेटी कुं. आस्था दमेले ने बिहार में एसडीएम पद पर चयनित होकर पलेरा ही नहीं, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। एसडीएम पद पर चयन के करीब दो माह बाद मंगलवार को आस्था पहली बार अपने गृह नगर पलेरा पहुंचीं। उनके नगर आगमन पर परिवारजनों, समाज के लोगों और नगरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह फूल-मालाओं से उनका स्वागत कर लोगों ने उनकी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। नगर की बेटी के प्रशासनिक सेवा में चयनित होकर लौटने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके स्वागत के लिए पहुंचे। लोगों ने आस्था का गर्मजोशी से अभिनंदन करते हुए इसे पलेरा के लिए गौरव का क्षण बताया। इस दौरान वैश्य समाज के अध्यक्ष जगदीश ददरिया ने भी आस्था दमेले का स्वागत एवं सम्मान किया। गृह नगर पहुंचने के बाद आस्था दमेले ने अपने परिवार के साथ नगर के प्रसिद्ध श्री श्री 1008 श्री हरितला मंदिर पहुंचकर भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया। इसके उपरांत दमेले परिवार द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, परिजन एवं नगरवासी शामिल हुए और आस्था के सफल प्रशासनिक भविष्य के लिए मंगलकामनाएं कीं। इस अवसर पर परिजन गणेश प्रसाद दमेले एवं मीरा दमेले ने आस्था को आशीर्वाद प्रदान किया।

माता-पिता के विश्वास ने दिखाई मंजिल की राह

अपनी सफलता के बारे में आस्था दमेले ने कहा कि उनके इस मुकाम के पीछे सबसे बड़ा योगदान उनके माता-पिता द्वारका प्रसाद (राज दमेले) और नीतू दमेले का है। उन्होंने कहा कि माता-पिता ने हमेशा उनका हौसला बढ़ाया, उन पर विश्वास किया और हर कदम पर मार्गदर्शन एवं सहयोग दिया। इसी विश्वास और प्रेरणा के कारण वे अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल हो सकीं। आस्था ने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा पलेरा में हुई। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए उन्हें छतरपुर भेजा गया और प्रशासनिक सेवा की तैयारी के लिए दिल्ली पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि माता-पिता ने उनकी क्षमता पर विश्वास करते हुए उन्हें आगे बढ़ने का पूरा अवसर दिया। उन्होंने कहा कि यदि परिवार का सहयोग और विश्वास साथ हो तो बेटियां भी बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल कर सकती हैं।



बेटियों को आगे बढ़ने का अवसर दें माता-पिता

आस्था दमेले ने समाज के माता-पिता से बेटियों को शिक्षा और आगे बढ़ने का अवसर देने की अपील की। उन्होंने कहा कि बेटियों में प्रतिभा और मेहनत की कोई कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ उन्हें सही दिशा, अवसर और परिवार के विश्वास की है। उन्होंने बेटियों से भी कहा कि वे अपने माता-पिता के विश्वास और उम्मीदों पर खरा उतरें तथा महानगरों में मिलने वाली स्वतंत्रता का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। नगर के वरिष्ठ नागरिकों, गणमान्य नागरिकों और समाजजनों ने आस्था दमेले की सफलता को पलेरा के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उन्हें बधाई दी। लोगों ने कहा कि नगर की बेटी का प्रशासनिक सेवा में चयन क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणा बनेगा।

महिलाओं का आरोप पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ सहरिया महिलाएं लामबंद, घेरी कलेक्ट्रेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

गांव में अवैध शराब बिक्री से परेशान बनी ग्राम पंचायत लुहारी के तीन गांवों की सहरिया महिलाओं ने लामबंद होकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट का घेराव कर दिया और सुनवाई नहीं होने पर कलेक्टर चेंबर के गेट पर धरना दे डाला। इसके बाद आनन फानन में कलेक्टर शीला दाहिमा ने महिलाओं के प्रतिनिधी मंडल को चेंबर के अंदर बुलाकर चर्चा करनी पड़ी। अवैध शराब बिक्री को तत्काल बंद कराने की मांग को लेकर मंगलवार को श्योपुर कलेक्ट्रेट पहुंची ग्राम लुहारी, कुरकुटा और कुड की एक सैकडा के करीब आदिवासी महिलाएं तब आक्रोशित हो गईं, जब उन्हें समस्या बताने के लिए कलेक्टर के चेंबर में जाने से रोक दिया गया। कलेक्टर को समस्या बताने की जिद पर अड़ी महिलाएं काफी देर तक कलेक्टर गेट के बाहर धरने पर बैठी रहीं।

काफी देर तक धरने पर बैठी रही आदिवासी महिलाओं ने बताया है कि कराहल विकासखंड की ग्राम पंचायत लुहारी के कुरकुटा गांव में काफी दिनों से कच्ची शराब अवैध रूप से बेची जा रही है। जो लोग इस कच्ची शराब को बनाकर बेच रहे हैं, उनके बारे में पुलिस को कई बता दिया गया। मगर इसके बाद भी पुलिस शराब की अवैध बिक्री को बंद नहीं करा पा रही है। गांव में शराब अवैध रूप से बेचे जाने से गांव का माहौल पूरी तरह खराब बना हुआ है। शराब पीकर घरों पर पहुंचने वाले लोग रोजाना घरो में लडाई झगडे कर रहे है और घर की महिलाओ को पीट रहे है। जिससे घर की शांति भंग हो रही है। शारीरिक नुकसान के साथ साथ आर्थिक नुकसान भी भुगतना पड रहा है। जब कलेक्टर शीला दाहिमा ने धरने पर बैठी महिलाओ के प्रतिनिधी मंडल को चर्चा करने के लिए अपने चैंबर में बुलाया तो महिलाओ ने साफ कहा है कि कैसी भी हो, लेकिन हमारे गांव में हो रही शराब की अवैध बिक्री पूरी तरह बंद होनी चाहिए। जो लोग शराब की बिक्री कर रहे है, उन्हे खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। तभी हमारे गांव और घर की माहौल ठीक हो पाएगा। इस दौरान कलेक्टर शीला दाहिमा ने महिलाओ के प्रतिनिधी मंडल को भरोसा दिलाया कि उनके गांव में हो रही शराब की अवैध बिक्री को हर हाल में बंद कराए जाने की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर के आश्वासन पर महिलाएं मान गई और धरने से उठकर वापस अपने गांव लौट गई।



महिलाओं का आरोपः पुलिस को बुलाकर जब्त करवाई अवैध शराब, बेचने वालों के नाम भी बताए, फिर भी कार्रवाई नहीं

कलेक्टर चेंबर गेट के बाहर धरने पर बैठी महिलाओं ने पुलिस पर भी कार्रवाई न करने के आरोप लगाए हैं। इस दौरान काबुली बाई आदिवासी सहित अन्य कई महिलाओं ने बताया कि हमने पुलिस को गांव में बुलाकर न केवल अवैध कच्ची शराब की केन जब्त करवाई, बल्कि पुलिस वालों को उनके नाम भी बताए, जो लोग यह कच्ची शराब बनाकर बेचने का अवैध कारोबार कर रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। सिर्फ दिखावे की कार्रवाई के लिए कुछ लोगों को पकड़कर थाने जरूर ले गई है।



इधर विट्ठलपुर के ग्रामीण बोले कीचड़ से निकलना दूभर, फिर भी नहीं हो रही कोई सुनवाई



जनपद पंचायत श्योपुर की ग्राम पंचायत माखनाखेडली के अंतर्गत आने वाले ग्राम विट्ठलपुर के ग्रामीण भी मंगलवार को कीचड़ की समस्या को लेकर कलेक्टर से मिलने के लिए पहुंचे। लेकिन उन्हें भी कलेक्टर से मिलने के लिए रोक दिया। इसके बाद श्योपुर तहसीलदार ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उनकी समस्याए सुनी। ग्रामीणों ने तहसीलदार को बताया कि ग्राम पंचायत पानी निकासी की व्यवस्था नहीं कर रही है। जिसकारण गांव के मुख्य रास्ते पर इतना कीचड हो रहा है कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। इन हालातो में बच्चों का भी स्कूल जाना मुश्किल हो रहा है। इस दौरान तहसीलदार ने गुरूवार को गांव आकर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया,मगर ग्रामीण यह समस्या कलेक्टर मैडम को बताने की जिद पर अड गए और काफी देर तक कलेक्टर गेट की चैखट पर बैठे रहे। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर हम चार बार जनसुनवाई में आवेदन दे चुके है, लेकिन अभी तक हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई है। इसलिए हम कलेक्टर को ही यह समस्या बताकर जाएंगे।

20 रुपए का लालच देकर आरोपी ने बालिका को बुलाया घर के अंदर

आठ साल की अबोध बालिका के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कोतवाली थाना क्षेत्र में एक आठ साल की अबोध बालिका के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी ने बालिका को 20 रूपए का नोट देने का लालच देकर अपने घर के अंदर बुला लिया और फिर उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को अरेस्ट कर लिया और उसे न्यायालय में पेश करके जेल भेज दिया है।

कोतवाली थाना पुलिस के मुताबिक श्योपुर निवासी आरोपी नंद किशोर बाथम उर्फ भाटिया पुत्र भैरूलाल बाथम बीती शाम को जब अपने घर में अकेला था, तभी उसने वहां से गुजर रही 8 साल की अबोध बालिका को मौका देख 20 रूपए का नोट देने का लालच देकर अपने घर के अंदर बुला लिया और फिर उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। आरोपी के चंगुल से छूटकर बालिका जब अपने घर पहुंची,तब उसने मां को अपने साथ घटित घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन बालिका को लेकर कोतवाली थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पास्को एक्ट की धाराओ में केस दर्ज कर लिया है।



जेल भेज दिया

आरोपी को दुष्कर्म और पास्को एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर अरेस्ट कर लिया है और उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भी पहुंचा दिया है।

राजीव गुप्ता
एसडीओपी, श्योपुर

शांति समिति की बैठक में मनमाना ठहराव लिखने से मुस्लिम समुदाय नाराज, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

पिछले दिनों आयोजित शांति समिति की बैठक में ताजियों को लेकर बिना स्वीकृति के मनमाना ठहराव लिख देने से मुस्लिम समाज में नाराजगी व्याप्त हो गई है। इस मामले को लेकर शहर काजी अतीकुल्लाह कुरैशी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बिना स्वीकृति के किए गए ठहराव को विलोपित करने की मांग की गई है।

शहर काजी के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले दिनो शांति समिति की जो बैठक आयोजित हुई थी,उसमें सिर्फ ईद मिलादुन्नबी, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, पर्युषण पर्व, अनंत चतुरदर्शी के त्यौहार पर प्रशासनिक व्यवस्था बनाए जाने पर ही चर्चा हुई। उक्त बैठक में ताजियों को लेकर किसी प्रकार से कोई विचार नहीं होना था तथा बैठक में ताजिया कमेटी का कोई सदस्य मौजूद नहीं था तथा मेरी भी ताजियो के संबंध में निर्णय लिए जाने की कोई स्वीकृति नहीं दी गई। इसके बाद भी प्रशासन के द्वारा निर्णय पारित कर लिया गया कि अब ताजियों को कर्बला मै गड्डा खोदकर दफनायेंगेर पानी में नहीं बहाए जायेंगे। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रशासन का यह ठकराव स्वीकार योग्य नहीं होने के साथ साथ गुमराह करने वाला षड्यंत्रकारी ठहराव लग रहा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि ताजियों को कर्बला मैं गड्डा खोदकर दफनायेंगे संबंधी ठहराव को विलोपित किया जाये।क्योंकि इससे मुस्लिम समाज में नाराजगी बनी हुई है।



यातायात पुलिस ने रोड सेफ्टी अंतर्गत उठाए जरूरी कदम

सड़क हादसे रोकने के लिए यातायात पुलिस ने लगाए रेडियम रिफ्लेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

बढ़ते सड़क हादसों की रोकथाम और एक्सीडेंटल मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से यातायात थाना पुलिस रोड सेफ्टी अंतर्गत कई जरूरी कदम उठा रही है। इसी क्रम में यातायात पुलिस ने मंगलवार को जहां शहर की सड़कों पर विचरण करने वाले गौवंश के सींगो पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए। वहीं अंधे मोड, पुल और पुलियाओ के आसपास भी रेडियम रिफ्लेक्टर लगाकर सडक दुर्घटना रोकथाम के प्रबंध किए।

यातायात थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने बताया कि मंगलवार को सूबेदार अनिल बाथम और थाना स्टाफ के साथ शहर के शिवपुरी रोड, अस्पताल चैराहा, रामतलाई हनुमान मंदिर, पटेल चौक, पाली रोड, बाइवास रोड सहित शहर के अन्य मार्गो पर अभियान चलाकर एक सैकडा से अधिक गौवंश के सींगो पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए। ताकि रात्रि के दौरान इन गौवंश के कारण सडक दुर्घटना घटित न हो सके। इसके साथही शिवपुरी रोड स्थित इकों सेंटर, वावंदानाला, कलमी गोरस, कराहल की घाटी सहित अन्य अंधे मोड वाले स्थानों पर सडक से सटे वृक्षों तथा रेलिंग आदि पर रात्रि के दौरान अंधेरे में दृश्यता के लिए रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए गए। ताकि यहां रात्रि के दौरान कोई वाहन चालक दुर्घटना का शिकार न हो पाए।



बलराम कृषि महोत्सव आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में 2 सितंबर को कृषि उपज मंडी परिसर श्योपुर में बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी वर्चुअली माध्यम से जुडेगे तथा जिले के किसानों से संवाद करेंगे। उप संचालक कृषि जीके पचौरिया ने बताया कि एक दिवसीय बलराम कृषि महोत्सव एवं एनएमईओ तिलहल मिशन अंतर्गत कृषि महोत्सव एवं किसान मेला 2 सिंतबर को सुबह 11 बजे से कृषि उपज मंडी श्योपुर में आयोजित होगा। उन्होंने किसानों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में किसान मेले में भाग लेकर कृषि की नवीन तकनीकी तथा विविध फसलों के उत्पादन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।



सजा मिली थी वेतन वृद्धि रोकने की, मगर रोक दिया वेतन

श्योपुर। जनसुनवाई में अजीबो गरीब फरियाद लेकर एक सरकारी स्कूल का शिक्षक पहुंचा। जिसकी फरियाद सुनकर कलेक्टर शीला दाहिमा भी भोचक रह गईं। हालांकि इस मामले में संबंधित शिक्षक की समस्या का निराकरण जहां होना है आवेदन वहां भेज दिया है लेकिन समस्या अजीबो गरीब इसलिए है कि शिक्षक का कहना है कि शासन ने उसकी वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए थे यह विभागी दंडात्मक प्रक्रिया है जिसके लिए उसने विभाग को जवाब भेजकर वेतनवृद्धि न रोके जाने की गुहार लगा दी है लेकिन शिक्षा विभाग नें उसका वेतन ही रोक दिया। जिससे दो महीनो से शिक्षक बिना वेतन के काम कर रहा है। शा एनएमएस उर्दू गांधी स्कूल श्योपुर के हेडमास्टर कमलजीत सिंह सिसोदिया द्वारा दिए गए आवेदन में कहा गया है कि उन्हें विगत 02 माह जुलाई 2026 से अगस्त 2026 तक का वेतन भुगतान नहीं किया गया है जबकि आयुक्त चंबल संभाग द्वारा दिए गए निर्देश अनुसार उनके मासिक वेतन पर कोई रोक नही लगाई गई है। लेकिन विभाग ने जानबूझकर उन्हें परेशान करने की नियत से उनका वेतन रोक दिया है जिससे उनके सामने आर्थिक तंगी की स्थिति निर्मित हो गई है। कलेक्टर शीला दाहिमा ने इस संबंध में डीईओ को जांच कर समस्या निराकरण का निर्देश दिए हैं। इस संबंध में डीईओ यश जैन का कहना है कि आवेदन बीईओ कार्यालय से संबंधित था इसलिए उक्त समस्या का निराकरण तत्काल करने के निर्देश देते हुए आवेदन को बीईओ कार्यालय भेज दिया गया है।

खेत पर गए किसान की मोटरसाइकिल चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जैनी निवासी एक किसान की मोटरसाइकिल उसके खेत से चोरी हो गई। पुलिस ने बाइक चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि ग्राम जैनी निवासी हरिओम शर्मा पुत्र फेलूराम शर्मा बीती रात्रि को जब रोज की भांति अपने सिरसोद वाले खेत पर सोने के लिए गया था। तभी रात्रि में मौका पाकर चोर उसकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई। इस मामले में हरिओम शर्मा की रिपोर्ट पर बाइक चोरी का मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

बैठक के दौरान ग्रामीणों को दी वन क्षेत्र में अतिक्रमण न करने की समझाइश

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

ग्राम मोरेका और टर्राकलां में बीते रोज प्रशासन,पुलिस और वन विभाग के संयुक्त दल में शामिल अधिकारी कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। डीएफओ केएस रंधा ने बताया कि बैठक में श्यामपुर खाडी रेंज के जंगल में हो रहे अतिक्रमण को लेकर चर्चा की गई। बैठक के दौरान ग्रामीणों को भी वन क्षेत्र में अतिक्रमण न करने की समझाइश दी गई। अधिकारियों ने ग्रामीणो को समझाइस दी कि कोई भी ग्रामीण यह सोचकर वन भूमि पर अतिक्रमण न करे कि उन्हे वन भूमि का पट्टा मिल जाएगा। क्योंकि इस संबंध में शासन की नीति स्पष्ट है। इस तरह जबरन अतिक्रमण करके पट्टा किसी भी स्थिति में प्राप्त नहीं होगा। यदि किसी ग्रामीण को लगता है कि वह वन भूमि पर पट्टा पाने के लिए पात्र है, तो इसके लिए विधिवत रूप से आवेदन किया जाए। समझाइस के बाद भी जो लोग वन क्षेत्र से अवैध अतिक्रमण को न हटाएंगे,उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी वन विभाग की ओर से की जाएगी।



रेपिड किट से की दूध में कैमिकल की जांच, दो डेयरियों से सैंपल भी लिए

श्योपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आमजन को मानक खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सतत रूप से खाद्य पदार्थों की जांच एवं सैम्पल लेने की कार्यवाही की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी धमेन्द्र जैन ने बताया कि मंगलवार को 5 डेयरियों पर रेपिड किट के माध्यम से दूध में कैमिकल मिलावट की जांच की गई। इसके साथ ही दो दूध डेयरियों से दूध के सैम्पल भी लिये गये है। पाली रोड श्योपुर स्थित मनीष दूध डेयरी, क्षेत्रपाल दूध डेयरी, मुरैना दूध डेयरी, कृष्णा दूध डेयरी एवं स्टेशन रोड श्योपुर स्थित श्रीराम दुग्ध डेयरी पर रेपिड किट के माध्यम से दूध में कैमिकल मिलावट के संबंध में जांच की गई। जांच के दौरान किसी भी डेयरी पर दूध में कैमिकल की मिलावट नही पाई गई। उन्होंने बताया कि रेपिड किट के माध्यम से दूध में यूरिया, हाईड्रोजन पराक्साइड, कास्टिक, नमक, सुक्रोस, माल्टो डेक्ट्रिन पावडर, ग्लूकोज की जांच की जाती है, उपरोक्त सभी डेयरियों पर जांच में उक्त किसी भी कैमिकल की कोई मिलावट नही पाई गई। उन्होंने बताया कि इसके अलावा मुरैना दूध डेयरी एवं कृष्णा दूध डेयरी से दूध के नमूने भी लिये गये है, जिनको जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है।



कई जगह जल निकासी प्रबंध नहीं होने से परेशान बना नपा अमला

बाजारों में आए दिन ओवरफ्लो हो रहे नाले शहर के सौंदर्यीकरण में बन रहे बाधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

बाजारों में ओवरफ्लो हो रहे नाले जहां नगरपालिका सफाई कर्मियों के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं वहीं शहर के सौंदर्यीकरण में बाधा बने हुए हैं। उधर निजी और सरकारी कॉलोनियों में जल निकासी के प्रबंध ठीक नहीं होने का खामियाजा भी नगर पालिका को उठाना पड़ रहा है। इन स्थानों पर जल निकासी नहीं होने से बारिश का पानी बस्तियों में ही भरा रहता है जिसकी सफाई की मांग को लेकर नगर पालिका अमले पर लगातार दवाब बनाया जा रहा है।

शहर के सुबात चौराहा से पुल दरवाजा तक टोडी गणेश बाजार में सड़क के दोनों अंडरग्राउंड नाल बने हुए हैं यह नाले दुकानों के नीचे आ रहे हैं हालांकि पूर्व में चलाया गया अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत नालों पर बनी बिल्डिंगों को तोड़कर नालों का खुलासा कर लिया गया है पर अस्थाई अतिक्रमण के चलते इन नालों की सफाई नहीं हो पा रही है जिससे नाले आए दिन ओवर फ्लो होकर सड़क पर बैहते रहते हैं। बाजार में सबसे अधिक समस्या गणेश मंदिर से पुल दरवाजा तक आती है। यहां पर ऐसा कोई दिन बाकी नहीं जाता जब नाला ओवरफ्लो होकर सड़क पर ना बहता हो। इसकी सूचना मिलते- मिलते कर्मचारियों को आने में इतना अधिक समय लग जाता है कि लोग परेशान हो जाते हैं लेकिन यह समस्या नपा अमले के लिए रोजमर्रा की और परेशान करने वाली है।



जान की बाजी लगाकर करते हैं नाले साफ

ऐसा नहीं है कि नगर पालिका के सफाई कर्मचारी काम नहीं करते हो उन्हें जब भी कॉल आती है वह तत्काल सफाई करने पहुंच जाते हैं पर बाजारों में नाले इतने संकरे और मकान के नीचे बने हुए हैं की सफाई करने में परेशानी आती है। मशीनें तो यहां लग ही नहीं पाती है सफाई कर्मचारियों को भी नाले में उतरकर सफाई करना पड़ रही है और नाले भी ऐसे हैं कि कचरे से भरा तसला निकालने की जगह भी अतिक्रमण के चलते नहीं मिल रही है। इस वजह से समस्या और बड़ी हुई है।

यहां पानी निकासी के लिए लगानी पड़ती है सीएम हेल्पलाइन

शहर की सबसे पुरानी जल संसाधन विभाग की चंबल कॉलोनी और निजी कॉलोनी (केशव नगर) में जल भराव की स्थिति निर्मित होने के बाद लोग कई बार जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन दे आते हैं लेकिन जल निकासी के कुप्रबंधन के चलते पानी निकासी हो नहीं पा रही है। बारिश का पानी खाली प्लाटो में तालाब की तरह बढ़ जाता है जिससे आसपास के लोग बीमारियों से ग्रसित होते हैं इस पानी को निकालने के लिए लोगों को सीएम हेल्पलाइन लगानी पड़ती है तब नगर पालिका को भी मडपंप अथवा इंजन लगाकर पानी निकालना पड़ता है। कई जुगाड़ से नगर पालिका निजी कॉलोनी से पानी निकाल कर मूलभूत सुविधाएं बहाल करती है पर निजी कॉलोनाइजर की लापरवाही का खामियाजा आज नगर पालिका के कॉलोनी कर्मचारियों को भुगतना पडता है।



हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे बना तालाब

उधर शहर के वार्ड क्र 9 में बनी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे गंदे पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण गंदे पानी का तालाब बन गया है जिससे कॉलोनी के इस नाले से लगे मकानों में सीलन आ रही है और मच्छर पनपने से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। यह गंदे पानी का तालाब वार्ड नंबर 8 में बनी निजी कॉलोनी और छात्रावासो से आने वाले पानी के कारण बना हुआ है।

इनका कहना है...

नगर पालिका के कर्मचारी सतत रूप से सफाई व्यवस्था में जुटे हुए नालों की तला झाड सफाई कई बार हो चुकी है इसके बावजूद पॉलीथिन और कचरा अधिक मात्रा में बहकर आने की वजह से नाले चौक हो रहे हैं। जैसे ही नाले चौक होने की सूचना मिलती है तत्काल लेबर पहुंचकर नाला की जानी की सुविधा बोल कर दी जाती है।

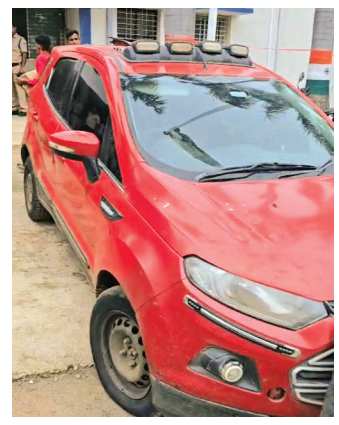
सत्यभानु जाटव
एचओ नपा श्योपुर

अवैध शराब के परिवहन में उपयोग होने वाली कार भी पुलिस ने की जब्त

बीना पुलिस ने पकड़ी 269 बल्क लीटर अवैध शराब, तीन आरोपियों को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना





पुलिस ने अवैध शराब का परिवहन करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से 269 बल्क लीटर देसी एवं अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस ने आरोपियों को आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है। पुलिस ने अवैध शराब के साथ परिवहन में प्रयुक्त होने वाले वाहन को भी जब्त किया है।

थाना प्रभारी अनूप यादव ने बताया सागर पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं शराब का अवैध परिवहन करने वाले अपराधियों के विरुद्ध की जा रही प्रभावी कार्रवाई के तहत थाना बीना पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस अधीक्षक सागर अनुराग सुजानिया के निर्देशन में जिले के समस्त थाना प्रभारियों को प्रो-एक्टिव पुलिसिंग अपनाते हुए अपराधों की पूर्व रोकथाम, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी तथा अवैध शराब की तस्करी के अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

इन्हीं निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी अजय सनकत के नेतृत्व में थाना बीना पुलिस द्वारा 269.28 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त की है। थाना प्रभारी के अनुसार 31 अगस्त एवं 1 सितंबर की दरमियानी रात्रि मे मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक केशरिया रंग की फोर्ड कार मे तीन व्यक्ति अवैध शराब लेकर खुरई रोड तरफ से बीना तरफ आ रहे है। मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम रवाना की गई। जो खुरई रोड पर ग्राम ढुरुआ के पास खुरई तरफ से उक्त कार आते हुए दिखाई दी। जिसके चालक द्वारा पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की। जिसे घेराबंदी कार को रोका गया, जिसमें 3 व्यक्ति बैठे मिले। जो तीनों व्यक्तियों से उनका नाम पता पूछा तो उन्होने अपना नाम विवेक कुमार यादव पिता रघुराज सिंह यादव उम्र 26 वर्ष निवासी कोकलवारा थाना खुरई ग्रामीण। नीरज चढार पिता अमर सिंह चढार उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम करई थाना खुरई ग्रामीण। रीतेश सिंह ठाकुर पिता संजय सिंह ठाकुर उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम नरोदा थाना खुरई ग्रामीण का होना बताया।

साथ ही गाड़ी के पीछे डिक्की को चैक करने पर बड़ी संख्या में सारे खाकी रंग के कार्टून रखे मिले। जिन्हें खोलकर चैक किया तो आफिसर च्वाईस सुप्रीम व्हिस्की शराब की 2 पेटी, जिसमें प्रत्येक में 24-24 बाटल, 375 मिलीलीटर मात्रा की कुल 18 लीटर शराब, आफिसर च्वाईस सुप्रीम व्हिस्की शराब की 2 पेटी, जिसमें प्रत्येक में 48-48 पाव, 180 मिलीलीटर मात्रा की कुल 17.28 लीटर शराब तथा सागर गोल्ड ग्रेन व्हिस्की शराब की 26 पेटी जिसमें प्रत्येक में 50-50 पाव, 180 मिली मात्रा की कुल 234 बल्क लीटर शराब जो 269.28 बल्क लीटर शराब कीमत करीब 2 लाख 5 हजार रुपए की रखे मिले। उक्त शराब को रखने परिवहन करने संबंधी लायसेंस चाहने पर कोई भी दस्तावेज पेश नहीं किया जो अवैध शराब रखने व परिवहन करने से आरोपियों का यह कृत्य अंतर्गत धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहतदण्डनीय पाए जाने से उक्त 269.28 बल्क लीटर अवैध शराब कीमत करीब 2 लाख 5 हजार रुपए मय परिवहन में इस्तेमाल हुई नारंगी रंग की फोर्ड कंपनी की ईकोस्पोर्ट फोरव्हीलर क्रमांक एमपी 15 सीबी 4338 कीमत करीबन 5 लाख रुपए जो कुल जब्त माल की कीमत 7 लाख 5 हजार रुपए का जब्त कर कब्जा पुलिस लिया। आरोपी विवेक कुमार यादव पिता रघुराज सिंह यादव उम्र 26 वर्ष निवासी कोकलवारा थाना खुरई, नीरज चढार पिता अमर सिंह चढार उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम करई थाना खुरई, रीतेश सिंह ठाकुर पिता संजय सिंह ठाकुर उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम नरोदा थाना खुरई के विरुध्द धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्द कर विवेचना में लिया।

सराहनीय कार्य: अवैध शराब पकड़ने वालों में निरीक्षक अनूप यादव, उप निरीक्षक निशांत भगत , प्रधान आरक्षक विजय गौतम, हेमंत तिवारी, आरक्षक संदीप यादव, दीपसिंह भदौरिया, भूपेन्द्र परिहार, बृजेन्द्र सिंह, मंगल यादव, महेश नामदेव, बाबूलाल, राहुल सोलंकी, दिनेश राय एवं रात्रि ड्यूटी में लगे पुलिस बल की सराहनीय भूमिका रही।

मांगें पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी

किसानों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, समर्थन मूल्य पर मूंगफली खरीदी की मांग



हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुरी/करैरा

मध्य प्रदेश में मूंगफली उत्पादन के प्रमुख केंद्र शिवपुरी जिले के किसान अपनी फसल के उचित दाम को लेकर परेशान हैं। बढ़ती लागत और बाजार में उचित मूल्य न मिलने से किसान कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। इसी को लेकर सोमवार को किसान नेता एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मान सिंह फौजी ने सैकड़ों किसानों के साथ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), करैरा के माध्यम से कलेक्टर शिवपुरी के नाम ज्ञापन सौंपा।

क्या है मामला

फौजी ने बताया कि करैरा, नरवर और पोहरी सहित पूरे जिले में हजारों हेक्टेयर क्षेत्र में मूंगफली की खेती होती है, और शिवपुरी की पहचान प्रदेशभर में खरीफ मूंगफली उत्पादन के लिए है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए मूंगफली का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 7,517 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है, लेकिन मंडियों में बिचौलियों के कारण किसानों को अपनी उपज महज 4,000 से 4,500 रुपये प्रति क्विंटल में बेचनी पड़ रही है। इससे किसानों को प्रति क्विंटल 3,000 रुपये से अधिक का सीधा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

2024 में भी उठाई थी मांग,बंपर पैदावार की संभावना, फिर भी चिंता बरकरार किसान नेता ने बताया कि वर्ष 2024 में भी कलेक्टर के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार को पत्र लिखकर मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीदी और सोयाबीन-गेहूं की तरह शासकीय पंजीयन शुरू करने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस वर्ष अच्छे मानसून के चलते मूंगफली की बंपर पैदावार की उम्मीद है। किसानों का कहना है कि यदि सरकार समय रहते खरीदी की व्यवस्था नहीं करती, तो उन्हें औने-पौने दाम पर उपज बेचनी पड़ेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और बिगड़ जाएगी।

10 दिन का अल्टीमेटम

ज्ञापन सौंपते समय क्षेत्र के कई किसान व कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि 10 दिन के भीतर मांगें पूरी नहीं हुईं, तो जिलेभर के किसान सड़कों पर उतरकर पहले शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन और फिर उग्र आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। गजेंद्र लोधी छोटू लोधी सहित कई किसान उपस्थित रहे।

इनका कहना है...

किसान अन्नदाता है, अगर उसे उसकी फसल का सही दाम नहीं मिलेगा तो वह खेती कैसे करेगा? सरकार को तुरंत मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू करनी चाहिए, नहीं तो हम किसान भाईयों के साथ बड़ा आंदोलन करेंगे।"

- **मान सिंह फौजी,** किसान नेता एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज



अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत बंटी नामदेव निवासी पिपरई ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी लल्लू कोरी ने उससे छोटे चाकू से मारपीट की और उसकी गर्दन पर प्रहार किया,जान से मारने की धमकी दी। जिले के शाढ़ौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम वायंगा निवासी बल्लू पुत्र कृष्णलाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी भोलू, यशपाल, सौरभ, अंशुल यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कचनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम परीक्षा चक्क निवासी रतिराम कुशवाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सोनू कुशवाह और जीतू कुशवाह ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुंगावली निवासी सोनू दोहरे ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी हवलदार सिंह जाटव, आंकाशू जाटव, राहुल चैधरी, पंकज परिहार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत बामौरी निवासी पुष्पा सेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी गजेन्द्र लोधी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में रोजगार संभावनाओं की जानकारी दी

बीना। गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज में एईडीपी के अंतर्गत संचालित बीए इन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी ऑपरेशन्स पाठ्यक्रम के संबंध में छात्राओं को मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शासकीय पीजी कॉलेज से रफीक शेख का आगमन हुआ। रफीक शेख ने छात्राओं को पाठ्यक्रम की विशेषताओं, प्रवेश प्रक्रिया तथा पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार एवं करियर की संभावनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह तीन वर्षीय पाठ्यक्रम है, जिसमें प्रथम दो वर्षों में छात्राओं को मुख्य रूप से सैद्धांतिक एवं शैक्षणिक अध्ययन कराया जाता है, जबकि तृतीय वर्ष में उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ स्टाइपेंड



(मानदेय) प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है तथा इस क्षेत्र में अनेक बड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियां कार्यरत हैं, जो प्रशिक्षित एवं योग्य युवाओं की नियमित रूप से हायरिंग करती हैं। ऐसे में यह पाठ्यक्रम छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में सहायक हो सकता है।

रफीक शेख ने छात्राओं को पर्यटन, होटल, ट्रैवल, हॉस्पिटैलिटी एवं इससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों और रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया। छात्राओं ने पाठ्यक्रम से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने विस्तारपूर्वक समाधान किया। कार्यक्रम में शासकीय कन्या महाविद्यालय का संबंधित स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। अंत में रफीक शेख का आभार व्यक्त किया गया।

गणेशोत्सव व दशलक्षण पर्व के दौरान परीक्षाएं पुनर्निर्धारित करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

विश्व हिंदू परिषद, जिला अशोकनगर ने तारा सदन हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य एवं प्रबंध समिति से आगामी गणेशोत्सव एवं दशलक्षण पर्व की अवधि में निर्धारित परीक्षाओं को पुनर्निर्धारित करने अथवा विद्यार्थियों को वैकल्पिक तिथि पर परीक्षा देने की सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। विश्व हिंदू परिषद ने कहा कि आगामी दिनों में गणेशोत्सव एवं जैन समाज का महत्वपूर्ण दशलक्षण पर्व मनाया जाना है। दोनों ही पर्व हिंदू एवं जैन समाज की धार्मिक आस्था, श्रद्धा एवं परंपराओं से गहराई से जुड़े हुए हैं। इन पर्वों के दौरान परिवारों में पूजा- अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान, व्रत-उपवास एवं विभिन्न सामाजिक-धार्मिक गतिविधियां आयोजित होती हैं। ऐसे में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों की धार्मिक एवं पारिवारिक व्यस्तता स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। परिषद ने कहा कि धार्मिक पर्वों के दौरान विद्यार्थियों पर परीक्षा का अतिरिक्त दबाव डालना उचित नहीं होगा। परीक्षा की तैयारी एवं परीक्षा में सम्मिलित होने के साथ धार्मिक दायित्वों का निर्वहन करने में विद्यार्थियों को कठिनाई हो सकती है, जिससे उनकी मानसिक एकाग्रता एवं परीक्षा परिणाम प्रभावित होने की संभावना है।

विश्व हिंदू परिषद ने विशेष रूप से बताया कि तारा सदन हायर सेकेंडरी स्कूल में लगभग 500 विद्यार्थी जैन समाज से संबंधित हैं। वहीं गणेशोत्सव भी व्यापक रूप से हिंदू समाज की आस्था एवं श्रद्धा का पर्व है। अतः विद्यालय प्रबंधन से अपेक्षा है कि वह सभी विद्यार्थियों की धार्मिक भावनाओं, आस्था एवं सामाजिक परंपराओं का सम्मान करते हुए परीक्षा कार्यक्रम पर पुनर्विचार करे। परिषद ने मांग की है कि गणेशोत्सव एवं दशलक्षण पर्व की महत्वपूर्ण तिथियों को ध्यान में रखते हुए परीक्षाओं का पुनर्निर्धारण किया जाए अथवा संबंधित विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक परीक्षा तिथि की व्यवस्था की जाए, जिससे धार्मिक आस्था और विद्यार्थियों की शिक्षाकृदोनों के बीच संतुलन बना रहे। जिसमें बजरंग दल के विभाग संयोजक वेदराम लोधी, विश्व हिंदू परिषद, के जिला अध्यक्ष अंकित बड़कुल ,जिला मंत्री कंछेदी दांगी,जिला सहमंत्री अरुण जैन, कोषाध्यक्ष रमेश गुप्ता,अंकित कांसल,शुभम आदि रहे मौजूद।



अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

अशोकनगर। अशोकनगर गुना सड़क मार्ग पर रविवार की रात एक अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक सुनील रजक निवासी सेमरखेड़ी की मौत हो गई थी जो वर्तमान में दुर्गा कॉलोनी अशोकनगर का निवासी है। ऑटो चालक की मौत के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और गिरफ्तार की मांग को लेकर परिजनों अस्पताल चैराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। मृतक सुनील रजक अपनी पत्नि को कोटिया गांव लेने के लिए बाईक से निकला था, तभी बीच सड़क मार्ग पर किसी अज्ञात कार ने उसे टक्कर मार दी, घटना के बाद कार चालक मौके से भाग गया। इस घटना में सुनील रजक के सिर में गंभीर चोटे आई थीं जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन और समाज के लोग जिला अस्पताल पहुंचे और पोस्ट मार्टम से पहले अस्पताल चैराहे पर एफआईआर दर्ज करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। लगभग ढाई घंटे तक यह विरोध प्रदर्शन चलता रहा, पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे परिवार जनों को समझाया गया और कहा कि उक्त वाहन की तलाश की जा रही है। मृतक सुनील रजक के यहां 2 बच्चे हैं उसकी पत्नि सावन के त्यौहार पर अपने मायके दोनों बच्चों को लेकर गई हुई थी।

आरोन मार्ग पर दो बाइक आपस में टकराईं, चार की लोगों की हुई मौत





हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

अशोक नगर आरोन सड़क मार्ग पर दो बाइक आपस में टकरा गई या घटना ग्राम चौकड़ी के साथ समय हुई इस घटना में एक बाइक पर सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई जबकि दूसरी बाइक पर सवार तीन लोग शामिल थे जिनमें एक की मौत हो गई और दो घायलों को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

घटना की कहानी यह है कि यह दोनों बाइक जब आरोन मार्ग पर सेगुजर रही थी तभी विपरीत दिशा से आने के बाद आपस में टकरा गई इस घटना में कजरा खुर्द ग्राम के रहने वाले शिवराज और उम्र 32 साल उनकी पत्नी धनकुमार भाई उम्र 31 साल और 7 वर्ष का पुत्र कला बाइक से रक्षाबंधन का त्यौहार मना कर अपने घर अशोकनगर आ रहे थे यहां मौके पर उनकी पत्नी की मौत हो गई उनके बेटे की मौत हो गई जबकि पत्नी ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया दूसरी ओर बालवीर अहिरवार अपनी पत्नी गुड्डी बाई और दामाद संतोष के साथ बाइक से अशोकनगर आ रहा था तभी आपस में बाइक टकराने की घटना में बलवीर अहिरवार उम्र 52 साल की मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी गुड्डी बाई और दामाद संतोष को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

तहसीलदार, पटवारी और आरआई जनसुनवाई से रहे नदारद!

जनसुनवाई: राजस्व मामलों की भरमार, समाधान की गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ करैरा

मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनसुनवाई में सबसे अधिक आवेदन राजस्व से जुड़े मामलों के रहे, जिनमें तहसील कार्यालय में वर्षों से लंबित बंटवारा, दुरुस्ती सहित अन्य प्रकरणों में शीघ्र सुनवाई की मांग को लेकर ग्रामीणों ने आवेदन सौंपे।

ढांड़ पंचायत में रास्ता बंद करने का मामला

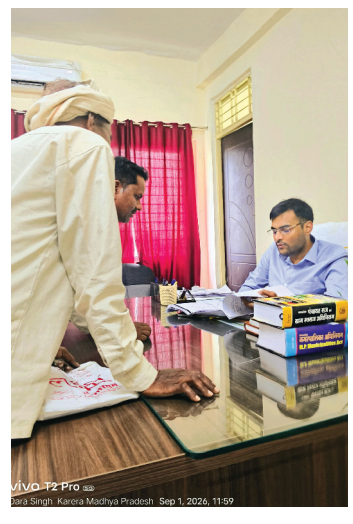
जनसुनवाई में ग्राम पंचायत ढांड़ से आवेदक बलबान लोधी ने सरपंच व सचिव पर गांव का रास्ता बंद करने का आरोप लगाते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी करैरा ने मौके पर ही जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को फोन लगाकर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

शासकीय भूमि घोषित होने के बाद अमल की मांग

ग्राम दावरभाट निवासी भुजबल सिंह यादव सर्वे नंबर 256 के शासकीय भूमि घोषित हो जाने के बावजूद अब तक उस पर अमल न होने से परेशान होकर पुनः आवेदन देने जनसुनवाई पहुंचे। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द आदेश पर अमल कराए जाने की मांग की।

अतिवृष्टि से खुदावाली में 400 बीघा फसल जलमग्न

ग्राम खुदावाली से पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में हुई अत्यधिक बारिश के कारण गांव के तालाब में जलभराव हो गया, जिससे करीब 400 बीघा भूमि में लगी धान की फसल पूरी तरह डूब गई है। किसानों ने मुआवजे व राहत की मांग को लेकर



सामूहिक आवेदन प्रशासन को सौंपा। इस पर अनुविभागीय अधिकारी करैरा ने मामले की जल्द जांच कराकर उचित निराकरण कराए जाने का आश्वासन दिया।

जनसुनवाई में जिम्मेदार अधिकारी नदारद

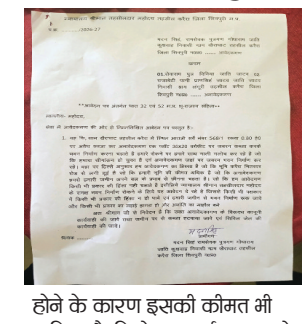
करैरा में हर मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से संचालित की जाती है, जिसमें राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है, ताकि मौके पर ही फरियादियों की समस्याओं का समाधान किया जा सके। परंतु इस मंगलवार आयोजित जनसुनवाई में यह व्यवस्था कागजों तक ही सिमटी नजर आई। जनसुनवाई स्थल पर केवल अनुविभागीय अधिकारी (SDM) करैरा ही मौजूद रहे, जबकि अन्य किसी भी जिम्मेदार अधिकारी अथवा कर्मचारी की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई। सबसे आश्चर्यजनक बात यह रही कि राजस्व से जुड़े अधिकांश मामलों की सुनवाई के लिए जिम्मेदार तहसीलदार स्वयं जनसुनवाई से नदारत रहे। इतना ही नहीं, पटवारी, राजस्व निरीक्षक (RI) सहित अन्य संबंधित कर्मचारी भी जनसुनवाई में उपस्थित नहीं हुए, जबकि जनसुनवाई में पहुंचे अधिकांश आवेदन बंटवारा, दुरुस्ती, सीमांकन एवं भूमि विवाद जैसे राजस्व प्रकरणों से जुड़े थे, जिनके निराकरण के लिए इन्हीं कर्मचारियों की मौजूदगी सर्वाधिक आवश्यक मानी जाती है। अधिकारियों की अनुपस्थिति का सीधा खामियाजा दूर-दराज गांवों से पहुंचे फरियादियों को भुगतना पड़ा।

इनका कहना है...

प्रशासन द्वारा सभी कर्मचारियों को अपने-अपने स्तर पर जनसुनवाई करने के निर्देश हैं, पटवारी सहित तहसीलदार अपने कार्यालय में जनसुनवाई करते हैं, यदि ऐसा नहीं होता है तो उन पर कार्रवाई करेंगे।

अनुपम शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी, करैरा

खैराघाट में जमीन विवादः तहसीलदार न्यायालय में आवेदन किया प्रस्तुत



करैरा (शिवपुरी)। ग्राम खैराघाट में भूमि विवाद को लेकर मामला अब न्यायालय तहसीलदार करैरा तक जा पहुंचा है। ग्राम खैराघाट निवासी मदन सिंह पुत्र रामसेवक ने न्यायालय तहसीलदार महोदय, तहसील करैरा, जिला शिवपुरी के समक्ष धारा 32 एवं 52 म.प्र. भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत कर सेवाराम पुत्र दिविया एवं राजाबेटी पत्नी प्राणसिंह, दोनों निवासी ग्राम लंगूरी, के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

आवेदन में बताया गया है कि ग्राम खैराघाट स्थित आराजी सर्वे नंबर 568/1, रकवा 0.80 हेक्टेयर पर अनावेदकगण द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर 35x20 वर्गफीट के प्लॉट पर जबरन भवन निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। आवेदकगण के अनुसार जब उन्होंने इसका विरोध किया तो अनावेदकगण द्वारा उनके साथ गाली-गलौज की गई। आवेदकगण का कहना है कि यह भूमि पूर्व में सीमांकित हो चुकी है और करैरा-भितरवर रोड से लगी होने के कारण इसकी कीमत भी अधिक है, जिसे बल पूर्वक हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। आवेदन में स्पष्ट किया गया है कि आवेदकगण किसी भी प्रकार की हिंसा नहीं चाहते, इसीलिए विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने हेतु न्यायालय की शरण ली गई है। आवेदकगण ने तहसीलदार महोदय से अनुरोध किया है कि अनावेदकगण के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए भूमि से कब्जा हटवाया जाए तथा सिविल जेल की कार्रवाई की जाए, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे और किसी भी प्रकार का विवाद या अशांति उत्पन्न न हो।